[Shri Harihar Soren]

Anandpur, so that the entire area can once for all be protected from the recurring floods.

(ii) NEED FOR TIMELY SUPPLY OF BOOKS AND STATIONERY TO SCHOOL CHILDREN

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) ध्यक्ष महोदय, अत्यन्त खेद के साथ सूचित किया जाता है कि चोर-बाजारी और भ्रष्टाचार का शिकार आदमी ही नहीं, बल्कि स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे भी हो रहे हैं, जो आनेवाले कल के राष्ट्र निर्माता हैं।

देश के प्रत्येक राज्य में स्कूल, कालेज, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, खुल गये हैं। पढाई का क्रम चालू हो गया है, किन्तु पाठ्य-पुस्तकें तथा कापियां बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। बार-बार पुस्तक तथा स्टेशनरी विक्रेताओं के यहा चक्कर लगाने पर हम एक ही नपा-तुला उत्तर मिलता है कि पुस्तक आ जायेगी तो मिल जायेगी, कागज उपलब्ध नहीं है। सम्पूर्ण शैक्षणिक जीवन अस्त-व्यस्त है। भारी संख्या में छात्र-छात्रायें हताश हो कर कापी किताब के लिये इधर उधर भटक रहे हैं।

राज्य सरकारों ने सस्ते दामों पर विद्यार्थियों को कापियां तथा स्टेशनरी के अन्य सामान उपलब्ध कराने की योजना बनाई। सहकारी स्टोरों का निर्माण हुआ। खेद है कि पवित्र विद्या संस्थान में बने ये सहकारी स्टोर भी अपवित्र हो गये। इन में भी भ्रष्टाचार का मगरमच्छ प्रवेश कर गया। आज उन पर बिक रही कापियां विद्यार्थियों को नहीं मिल पा रही हैं। प्रायः उन का सारा माल बाजार में ब्लैक हो रहा है। 25 पैसे मूल्य की निर्धारित कापी 60 पैसे में बिक रही है। हर जगह दुगना-तिगुना दाम वसूला जा रहा है।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा के देहातों के छात्रों की तो और दुर्दशा है। लाखों मासूम बच्चे हसरत भरी नजरों से अभिभावकों को देख रहे हैं कि आज उन की किताब जरूर बाजार से आ जायेगी। पर सब कुछ बेकार। दो माह स्कूल खुले हो गया, कागज का एक टुकड़ा भी नहीं नसीब है कि बच्चा कुछ लिख सके। किताब कब छपेगी इसका पता नहीं। अध्यापक भी किंकर्तव्यविमूढ़ हैं।

खेद है कि ऐसे महत्वपूर्ण मसले पर राज्य सरकारें मौन हैं। कानून और व्यवस्था खामोश है। लूट, अन्यमनस्कता अपने स्थान पर बरकरार है। कोई पुलिस या उच्च शासनाधिकारी भी नहीं है, जो सहकारी स्टोर से ब्लैक हो रही इन कापियों को रुकवा कर और लाखों बच्चों के जीवन से मजाक करने वाले लोगों को कड़ी सजा दे। यह एक बहुत बड़े लोक महत्व का प्रश्न है। मैं इस पर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग करता हूं।

(iii) THREATS TO WEAKER SECTIONS AND S.C. AND S.T.: PEOPLE TO JOIN AGITATION ABOUT BAGHPAT INCIDENT.

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur): I have to bring to Government's notice—

(i) that a group of political vested interests have threatened terrible consequences if the weaker sections, Scheduled Castes and Tribes of Kirthal, P.S. Chaprol District. Meerut did not join any agitation about Baghpat incident;

(ii) that the poor residents of the villages have already been stopped from taking their cattle to water ponds, getting rations from the village ect;

(iii) that a fine of Rs. 25.00 and Rs. 10.00 each has been extracted from those who procured rations from the nearby villages;

(iv) that as such, this community of about 250 people of weaker sections is living in terror, a state of seige and stravation and is being compelled to participate in a political agitation against the Government at gun point.